(i) Printed Pages : 3 Roll No. .....

(ii) Questions : 5 Sub. Code : 1 1 3 0 3

Exam. Code : 5 0 0 4

Bachelor of Arts (FYUP) 4th Semester

(2056)

SANSKRIT

Paper : Sanskrit Poetry-1

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :— (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।

(ii) सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद लिखें:

(क) तां हंसमालाः शरदीव गंगां, महौषधिं नक्तमिवात्मभासः।
स्थिरोपदेशामुपदेशकाले प्रपेदिरे प्राक्तनजन्मविद्याः।।

(ख) अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः।
पूर्वापरौ तोयनिधी वगाह्य स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः।।

(ग) यं सर्वशैलापरिकल्प्य वत्सं, मेरौ स्थिते दोग्धरि दोहदक्षे।
भास्वन्ति रत्नानि महौषधीश्च पृथूपदिष्टां दुदुहुर्धरित्रीम्।।

(घ) भागीरथी-निर्झर-सीकराणां, वोढा मुहुः कम्पित-देवदारुः।
यद्वायुरन्विष्टमृगैः किरातैरासेव्यते भिन्नशिखण्डिबर्हः।।

(ङ) स मानसीं मेरुसखः पितृण्णां, कन्यां कुलस्य स्थितये स्थितिज्ञः।
प्रजा मेनां मुनीनामपि माननीयामात्मानुरूपां विधिनोपयेमे।।

Scanned with OKEN Scanner

(च) तां पार्वतीत्याभिजनेन नाम्ना बन्धु-प्रियां बन्धुजनो जुहाव।
उ मेति मात्रा तपसो निषिद्धा पश्चादुमाख्यां सुमुखी जगाम।।
3×10=30

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद लिखें :

(क) श्रोत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन, दानेन पाणिनं तु कङ्कणेन।
विभाति कायः करुणापराणां, परोपकारैर्न तु चन्दनेन।।

(ख) दुर्जनः परिहर्त्तव्यः विद्ययाऽलंकृतोऽपि सन्।
मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयंकरः।।

(ग) विपदि धैर्यमथाऽभ्युदये क्षमा,
सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः।
यशसि चाभिरुचिव्यसनं श्रुतौ,
प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्।।

(घ) मौनान्मूकः प्रवचनपटुर्वातुलो जल्पको वा,
धृष्टः पार्श्वें वसति च तदा दूरतश्चाऽप्रगल्भः।
क्षान्त्या भीरुर्यदि न सहते प्रायशो नाभिजातः,
सेवाधर्मः परमगहनः योगिनामव्यगम्यः।। 2×10=20

3. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या करें : 5

(i) दोषः गुणसन्निपते चन्द्रोऽङ्क इव निमज्जति।

(ii) छायानिषेव्यवृष्टिभिर्द्विजितय आतपावन्तः शृङ्गाण्याश्रयन्ते यस्यं।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या करें: 5

(i) यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रुहि दीनं वचः।

(ii) मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयंकरः।

Scanned with OKEN Scanner

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** धातुओं के साथ यथानिर्दिष्ट उपसर्गों / प्रत्ययों का लट्लकार प्रथमपुरुष एकवचन में रूप बनाकर अर्थ लिखें: 3×3=9

वद् + तिङ्, हस् + तिङ्, वि + हृ, प्र + भू, नि + पत्, पठ् + तिङ्।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** शब्दों के प्रकृति एवं प्रत्यय लिखें :

अजा, चटका, कोकिला, नेत्री, गौरी, नर्तकी। 3×2=6

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** कवियों का सामान्य परिचय देकर उनकी कृतियों पर विस्तृत टिप्पणी लिखें : 2×7.5=15

भर्तृहरि, भारवि, माघ, कालिदास।

Scanned with OKEN Scanner